

फैजुल्लागंज में इस वर्ष अतिवृष्टि के कारण हुए जलभराव जैसी समस्या भविष्य में न हो, इसके लिए रक्षामंत्री के साथ मुख्यमंत्री की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

आई०आई०एम० रोड से पक्का पुल तक गोमती नदी के बाएं तट पर लगभग 5.5 किलोमीटर लम्बे तटबंध का निर्माण कराया जाएगा

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने पर नालों से पानी की निकासी बाधित होने की समस्या के समाधान के लिए 12 नए पम्पिंग स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे

न्याय विहार से एल्डिको ड्रेन तक जल निकासी का विस्तृत नेटवर्क तैयार किया जाएगा

लखनऊ के नागरिकों को इस समस्या से स्थायी मुक्ति दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता : रक्षा मंत्री

गोमती नदी लखनऊ की आत्मा, इसके अविरल और निर्मल प्रवाह के लिए जो कुछ भी आवश्यक हो, वह कार्यवाही आगे बढ़ाई जाए : मुख्यमंत्री

प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में कोई कमी न रहे, स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था निरन्तर बनाए रखी जाए

जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्ययोजना पर काम करें

फैजुल्लागंज में शीघ्र ही प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के एक नए समन्वित शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की जाएगी

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जलभराव प्रभावित क्षेत्र के सभी पी०एच०सी० को सी०एच०सी० के रूप में उच्चीकृत करने के निर्देश

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 33 के०वी०ए० के स्थान पर 132 के०वी०ए० का नया सब-स्टेशन स्थापित करने के निर्देश

लखनऊ : 17 अक्टूबर, 2026

लखनऊ के फैजुल्लागंज में इस वर्ष अतिवृष्टि के कारण हुए जलभराव जैसी समस्या भविष्य में न हो, इसके लिए आज यहां केन्द्रीय रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद श्री राजनाथ सिंह जी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में यह तय हुआ कि आई०आई०एम० रोड से पक्का पुल तक गोमती नदी के बाएं तट पर लगभग 5.5 किलोमीटर लम्बे तटबंध का निर्माण कराया जाएगा। गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने पर नालों से पानी की निकासी बाधित होने की समस्या के समाधान के लिए 12 नए पम्पिंग स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे और न्याय विहार से एल्डिको ड्रेन तक जल निकासी का विस्तृत नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

सिंचाई, नगर विकास, आवास, स्वास्थ्य, राजस्व और ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न इस बैठक में मुख्यमंत्री जी और रक्षामंत्री जी ने बाढ़ एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यो तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, स्थानीय विधायक डॉ. नीरज बोरा और महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल भी उपस्थित रहीं। रक्षामंत्री जी ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा अब तक किए गए राहत प्रयासों के लिए आभार भी जताया।

बैठक में फैजुल्लागंज सहित गोमती नदी के आसपास के निचले क्षेत्रों में जलभराव की समस्या, प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने और भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचाव के लिए तटबंध निर्माण, नालों के विकास तथा आधुनिक पम्पिंग व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में कोई कमी न रहे। स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सा, स्वच्छता और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था निरन्तर बनाए रखी जाए। जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्ययोजना पर काम करें। उन्होंने जलभराव के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के तत्काल सुदृढीकरण के लिए भी निर्देश दिए।

रक्षामंत्री जी ने कहा कि लखनऊ के नागरिकों को इस समस्या से स्थायी मुक्ति दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले दो सप्ताह में बाढ़ और जलभराव से फैजुल्लागंज सहित निचले इलाकों के हजारों परिवारों को भारी परेशानी उठानी पड़ी है और उनके घरों व प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आई0आई0एम0 रोड से खदरा होते हुए पक्कापुल (हार्डिंग ब्रिज) तक बंधा निर्माण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर शीघ्र शुरू कराने के साथ ही, इन कॉलोनीयों में ट्रंक ड्रेनेज, सीवेज नेटवर्क, घर-घर नल से जल, सड़क और सुदृढ विद्युत व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं का समयबद्ध विकास सुनिश्चित करने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री जी ने रक्षामंत्री जी द्वारा रखे गए बिंदुओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। क्षेत्र के समग्र विकास पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि फैजुल्लागंज में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के एक नए समन्वित शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की जाएगी। साथ ही, उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करने के लिए जलभराव प्रभावित क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उच्चीकृत करने तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 33 के0वी0ए0 के स्थान पर 132 के0वी0ए0 का नया सब-स्टेशन स्थापित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ जैसे तेजी से विकसित हो रहे महानगर में जल निकासी की व्यवस्था को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि तटबंध निर्माण, पम्पिंग स्टेशनों और नालों की योजना एक-दूसरे के पूरक के

रूप में तैयार की जाए, ताकि नदी का जलस्तर बढ़ने अथवा अत्यधिक वर्षा होने की स्थिति में भी बस्तियों के भीतर पानी न रुके। गोमती नदी लखनऊ की आत्मा है, इसके अविरल और निर्मल प्रवाह के लिए जो कुछ भी आवश्यक हो, वह कार्यवाही आगे बढ़ाई जाए। उन्होंने नदी में ड्रेजिंग (गाद निकालने) की कार्यवाही को भी तेजी से आगे बढ़ाने की जरूरत बताई।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने लखनऊ में भविष्य के दृष्टिगत पेयजल की उपलब्धता का आकलन करते हुए आवश्यक प्रबन्ध करने की जरूरत बताई। विधायक डॉ० नीरज बोरा ने फैजुल्लागंज क्षेत्र के प्रभावित परिवारों की समस्याओं से अवगत कराते हुए सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने, एस०टी०पी० की आवश्यकता और ट्रांसफार्मरों के सुधार की जरूरत पर बल दिया। महापौर ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 6,500 घर प्रभावित हुए हैं और नगर निगम प्रशासन प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने के लिए 24x7 तत्पर है।

बैठक में बीते दिनों आई बाढ़ की वर्तमान स्थिति और राहत कार्यों की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि गोमती नदी का सामान्य जलस्तर 105.70 मीटर और चेतावनी स्तर 108.50 मीटर है, जबकि 08 अक्टूबर, 2026 को जलस्तर 108.60 मीटर तक पहुंच गया था। फैजुल्लागंज का भू-स्तर नदी के सामान्य स्तर से चार मीटर नीचे होने के कारण 8.05 वर्ग किमी क्षेत्र के 21 मोहल्लों में रहने वाले करीब 6,500 परिवार (38 हजार से अधिक आबादी) प्रभावित हुए। प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाते हुए 16 बाढ़ राहत चौकियां और आठ आश्रय स्थल बनाए गए। एन०डी०आर०एफ०, एस०डी०आर०एफ० और पी०ए०सी० की 32वीं वाहिनी की मदद से 106 नावों, 40 मोटरबोट और 19 स्टीमर के जरिए बचाव कार्य चलाया गया। प्रभावितों के बीच 11,275 राहत खाद्य किट, 67,800 लंच पैकेट और 1,18,500 लीटर पेयजल वितरित किया गया।

28 डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ से युक्त 46 मेडिकल टीमों ने घर-घर भ्रमण कर 8,591 मरीजों का उपचार किया तथा 12,291 मेडिसिन किट, 12,000 ओ०आर०एस० पैकेट और 8,591 क्लोरीन टैबलेट बांटीं। आपात स्थिति के लिए 14 एम्बुलेंस और दो पशु चिकित्सा शिविर भी लगाए गए। संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए 11 ड्रोन, 172 बैकपैक मशीन, पांच स्वीपिंग मशीन और आठ ट्रैक्टर टैंकरों से एंटी-लार्वा छिड़काव तथा 11 टाटा एस माउण्टेड और 23 हैंड-हेल्ड मशीनों से फॉगिंग कराई जा रही है। क्षेत्र में 75 वॉटर टैंकर, 36 मोबाइल शौचालय, 179 प्रकाश बिंदु और 135 मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट के साथ ही शिकायतों के निस्तारण के लिए 24 घंटे सक्रिय कण्ट्रोल रूम (टोल फ्री नंबर 1077) और छह कण्ट्रोल प्वाइंट संचालित किए जा रहे हैं।